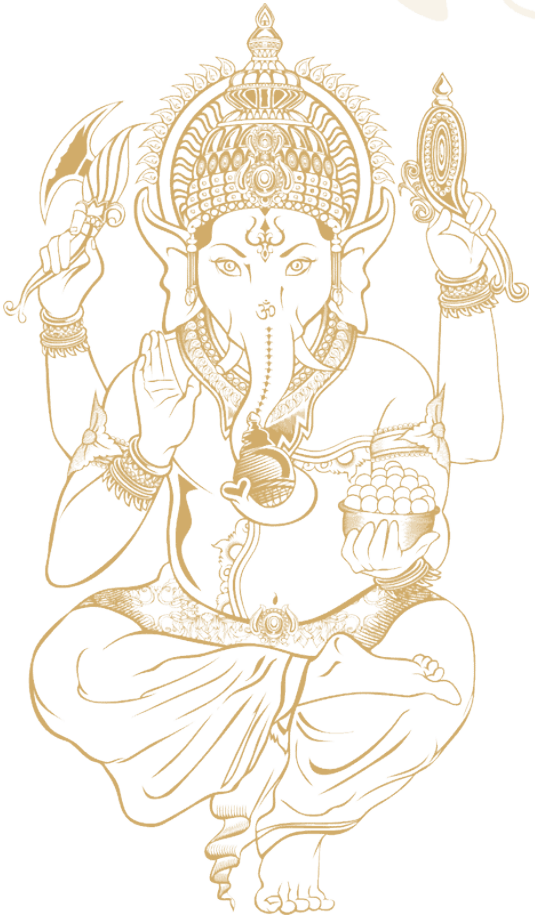

Preeti Shimal

05 Nov 1973

09:32 PM

Ajmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121858407

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/11/1973**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:32:00 घंटे**
इष्ट	37:01:50 घटी
स्थान	**Ajmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:29:00 उत्तर
रेखांश	74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:00:40 घंटे
वेलान्तर	00:16:25 घंटे
साम्पातिक काल	23:59:37 घंटे
सूर्योदय	06:43:16 घंटे
सूर्यास्त	17:46:29 घंटे
दिनमान	11:03:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:36:19 तुला
लग्न के अंश	17:38:01 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ध्रुव
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सू-सुगन्धा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:38:01	318:36:16	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			तुला	19:36:19	01:00:10	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	16:47:01	12:44:10	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		मेष	04:33:18	00:15:36	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
बुध	व	अ	वृश्चि	00:09:10	00:57:29	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मक	11:05:19	00:06:58	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	नीच राशि
शुक्र			धनु	06:31:14	01:02:59	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
शनि	व		मिथु	10:54:28	00:02:08	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु	व		धनु	06:13:18	00:04:38	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	06:13:18	00:04:38	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	नीच राशि
हर्ष			तुला	01:09:54	00:03:38	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
नेप			वृश्चि	12:47:10	00:02:07	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
प्लूटो			कन्या	12:12:23	00:01:55	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
दशम भाव			मीन	06:24:07	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:29:46

लग्न-चलित

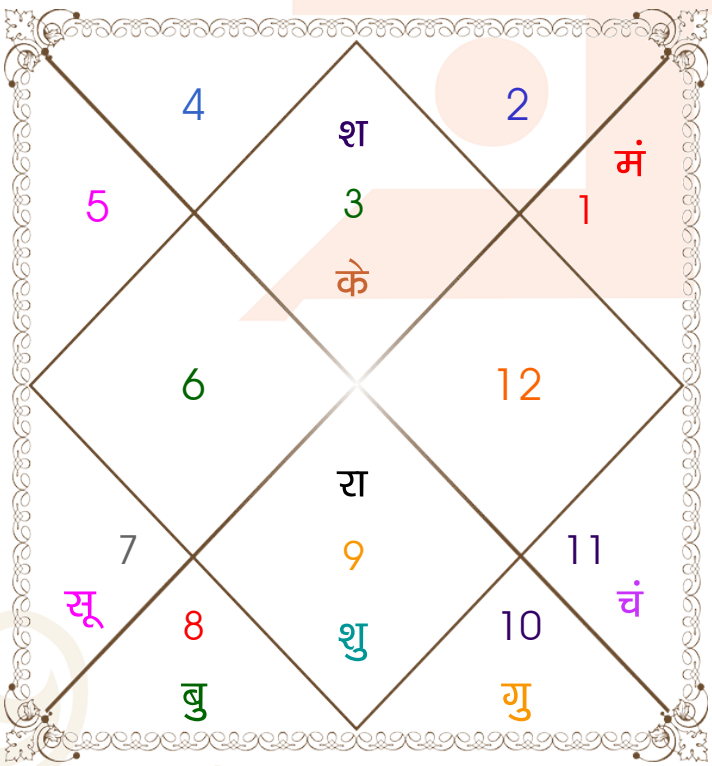

चन्द्र कुंडली

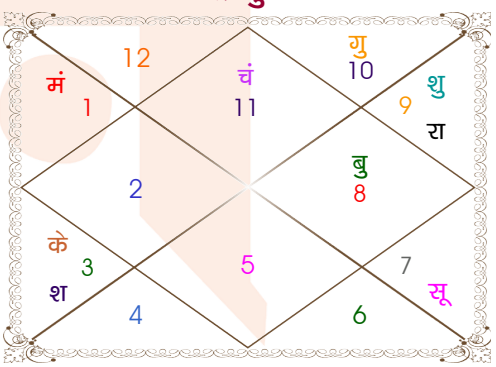

नवमांश कुंडली

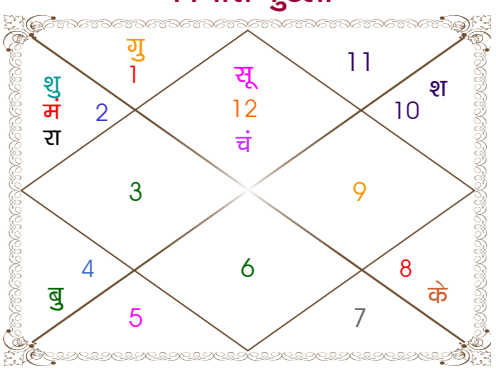

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 4 वर्ष 4 मास 3 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
05/11/1973		10/03/1978		10/03/1994		10/03/2013		10/03/2030	
10/03/1978		10/03/1994		10/03/2013		10/03/2030		10/03/2037	
	00/00/0000	गुरु	28/04/1980	शनि	13/03/1997	बुध	07/08/2015	केतु	07/08/2030
	00/00/0000	शनि	09/11/1982	बुध	21/11/1999	केतु	03/08/2016	शुक्र	07/10/2031
	00/00/0000	बुध	14/02/1985	केतु	30/12/2000	शुक्र	04/06/2019	सूर्य	12/02/2032
	00/00/0000	केतु	21/01/1986	शुक्र	01/03/2004	सूर्य	09/04/2020	चंद्र	12/09/2032
	05/11/1973	शुक्र	21/09/1988	सूर्य	11/02/2005	चंद्र	09/09/2021	मंगल	08/02/2033
शुक्र	27/09/1974	सूर्य	10/07/1989	चंद्र	12/09/2006	मंगल	06/09/2022	राहु	26/02/2034
सूर्य	22/08/1975	चंद्र	09/11/1990	मंगल	22/10/2007	राहु	25/03/2025	गुरु	02/02/2035
चंद्र	20/02/1977	मंगल	16/10/1991	राहु	28/08/2010	गुरु	01/07/2027	शनि	13/03/2036
मंगल	10/03/1978	राहु	10/03/1994	गुरु	10/03/2013	शनि	10/03/2030	बुध	10/03/2037

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/03/2037		10/03/2057		11/03/2063		10/03/2073		10/03/2080	
10/03/2057		11/03/2063		10/03/2073		10/03/2080		00/00/0000	
शुक्र	10/07/2040	सूर्य	28/06/2057	चंद्र	09/01/2064	मंगल	06/08/2073	राहु	21/11/2082
सूर्य	10/07/2041	चंद्र	27/12/2057	मंगल	09/08/2064	राहु	25/08/2074	गुरु	16/04/2085
चंद्र	11/03/2043	मंगल	04/05/2058	राहु	08/02/2066	गुरु	01/08/2075	शनि	21/02/2088
मंगल	10/05/2044	राहु	29/03/2059	गुरु	10/06/2067	शनि	09/09/2076	बुध	09/09/2090
राहु	11/05/2047	गुरु	15/01/2060	शनि	08/01/2069	बुध	06/09/2077	केतु	28/09/2091
गुरु	09/01/2050	शनि	27/12/2060	बुध	10/06/2070	केतु	02/02/2078	शुक्र	05/11/2093
शनि	10/03/2053	बुध	03/11/2061	केतु	09/01/2071	शुक्र	04/04/2079		00/00/0000
बुध	09/01/2056	केतु	10/03/2062	शुक्र	09/09/2072	सूर्य	10/08/2079		00/00/0000
केतु	10/03/2057	शुक्र	11/03/2063	सूर्य	10/03/2073	चंद्र	10/03/2080		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 4 वर्ष 3 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।